(A-46) SEAT No._____ No. of Printed Pages : 2

SARDAR PATEL UNIVERSITY

M.A. (Hindi) (3rd - Semester) Examination

Wednesday, 4 April - 2018

02:00 P. M. To 05:00 P. M.

PA03CHIN03

(छायावादी काव्य)

कुल गुण : 70

प्रश्न- 1. महाकाव्य की दृष्टि से 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए । (17)

अथवा

निराला कृत ' कुकुरमुत्ता ' कविता का सार लिखकर उसके उदेश्य को स्पष्ट करें ।

प्रश्न- 2. महादेवी वर्मा के प्रगीत के आधार पर उनके अनुभूति पक्ष को व्यक्त कीजिए । (17)

अथवा

सुमित्रानंदन पंत की पठित कविताओं के आधार पर उनका प्रकृति वर्णन समजाइए ।

प्रश्न- 3 टिप्पणी लिखिए । (किन्हीं दो) (18)

(1) ' कामायनी ' की श्रद्धा ।

(2) ' परिवर्तन ' कविता की मूल संवेदना ।

(3) छायावादी काव्य की विशेषता ।

(4) महादेवी वर्मा की भाषा ।

प्रश्न- 4 स-संदर्भ व्याख्या कीजिए । (कोई दो) (18)

(1) तुम करो ब्याह, तोड़ता नियम

मैं सामाजिक योग के प्रथम,

(P.T.O.)

लग्न के पढ़ूँगा स्वयं मंत्र,

यदि पंडितजी होंगे स्वतंत्र,

जो कुछ मेरे - वह कन्या का,

निश्चय समझो, कुल धन्या का ।

(2) अरि व्याधि की सूत्र - धारिणी ? अरि आधि मधुमय अभिशाप !

हृदय - गगन में धूमकेतु - सी, पुण्य सृष्टि में सुंदर पाप

मनन करावेगी तू कितना ? उस निश्चित जाति का जीव,

अमर करेगा क्या ? तू कितनी गहरी डाल रही है नीव ।

(3) गोरे अंगों पर सिहर सिहर,

लहराता तार तरल सुंदर,

चंचल अंचल सा नीलाम्बर !

साड़ी की सिकुड़न - सी जिस पर,

राशि की रेशमी विभा से भर,

सिमटी है वर्तुल, मृदुल लहर ।

(4) बुद्धि, मनीषा, मति, आशा, चिंता तेरे हैं कितने नाम ।

अरी पाप है तू - जा चल जा यहाँ नहीं कुछ तेरा काम ।

विस्मृति आ, अवसाद घेर ले, तीरवते ! बस चुप कर दे,

चेतनता चल जा जडता से आन शून्य मेरा भर दे ।